आउटकम बजट
(वर्ष 2018–19)

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
	राज्य सैक्टर (2058–लेखन सामग्री तथा मुद्रण)								
1.	001–निदेशन एवं प्रशासन 03–राजकीय मुद्रणालय, रूड़की अधिष्ठान	कार्मिक के वेतन, मानदेय, अन्य भत्ते एवं संचालन व्यय इत्यादि	1351.78	0	.	कार्मिक के वेतन, मानदेय, अन्य भत्ते एवं संचालन व्यय इत्यादि	1102.34	कार्मिक के वेतन, मानदेय, अन्य भत्ते एवं संचालन व्यय इत्यादि	वर्षान्त तक
2.	104–निदेशक एवं प्रशासन 42–अन्य व्यय	समस्त राजकीय मुद्रण, गजट, निर्वाचन सामग्री, आदि का प्रकाशन।	16.00	0	.	समस्त राजकीय मुद्रण, गजट, निर्वाचन सामग्री, आदि का प्रकाशन।	22.56	समस्त राजकीय मुद्रण, गजट, निर्वाचन सामग्री, आदि का प्रकाशन।	वर्षान्त तक
		योगः–	**1367.78**	**0**			**1124.90**		
	राज्य सैक्टर (2851–ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 101–औद्योगिक विकास)								
3.	02–मेगा टैक्सटाईल पार्क पॉलिसी–2014	भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न टैक्सटाईल उद्योग प्रोत्साहन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ प्राप्त करने के दृष्टिगत उत्तराखण्ड राज्य में टैक्सटाईल उपक्रमों को आकर्षित एवं प्रोत्साहन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन।	1000.00	0	**SDG Goal : 8** 8.3e, 8.3f **SDG Goal : 9** 9.2c, 9.2d, 9.3e, 9.3f	मेगा टैक्सटाईल पॉलिसी	200.00	1–टैक्सटाईल उपकमों का विकास 2–प्रदेश के पूंजी निवेश में अभिवृद्धि करना 3– रोजगार सृजन	वर्षान्त तक
4.	03–मेगा इण्डस्ट्रियल एण्ड इन्वेस्टमेंट पॉलिसी–2015	राज्य में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने, राज्य की आर्थिक विकास दर बनाये रखने एवं स्थानीय स्तर पर उद्यम कुशलता के अवसर प्रदान करना।	2200.00	0	**SDG Goal : 8.3** 8.3c **SDG Goal : 9** 9.2c, 9.2d, 9.3e, 9.3f	मेगा इण्डस्ट्रियल पॉलिसी	250.00	1–पूंजी निवेश आकर्षित करना। 2–रोजगार सृजन। 3–प्रदेश की आर्थिकी को सुदृढ़ करना।	वर्षान्त तक
		योग(101):–	**3200.00**	**0**			**450.00**		

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
	राज्य सैक्टर (2851–ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 102–लघु उद्योग)								
5.									
6.	लघु उद्योगों की गणना योजना (100 प्रतिशत केन्द्र पोषित)	पंचम अखिल भारतीय गणना हेतु लगाये गये मानव संसाधन का मानदेय।	0.01	0	–	भारत सरकार के दिशा–निर्देशानुसार स्थापित उद्यमों की अखिल भारतीय गणना हेतु लगाये गये मानव संसाधन का मानदेय।	0	चालू योजनाओं में आवश्यकतानुरूप संशोधन एवं नई नीतियों का कियान्वयन।	वर्षान्त तक
7.	03–अधिष्ठान व्यय–उद्योग विभाग	प्रदेश एवं जनपद स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं कार्मिकों के वेतन तथा कार्यालय अधिष्ठान एवं संचालन व्यय।	2714.13	0	–	एमएसएमई के विकास एवं योजनाओं के संचालन व उद्योग की स्थापना/विकास/ रोजगार सृजन।	2071.21	उद्योगों की स्थापना/ विकास एवं रोजगार सृजन हेतु निदेशालय/ जनपद स्तर पर उपलब्ध अधिकारियों एवं कार्मिकों के वेतन तथा कार्यालय अधिष्ठान एवं संचालन व्यय।	वर्षान्त तक
8.	18–उत्तराखण्ड अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं पर्यटन कार्यालय की स्थापना	पारम्परिक भारत–चीन व्यापार को बढ़ावा देते हुये व्यापार के नये अवसर प्रदान करना।	5.04	0	**SDG Goal : 8**	भारत–चीन व्यापार को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु स्थापित कार्यालय के कार्मिकों का अधिष्ठान एवं संचालन व्यय आदि।	17.20	1–पारम्परिक भारत–चीन व्यापार को बढ़ावा। 2–व्यापार के नये अवसर	वर्षान्त तक
9.	राज्य उद्योग मित्र एवं उद्यमिता विकास परिषद को सहायता।	जिला एवं राज्य स्तरीय उद्योग मित्र के माध्यम से उद्यमियों की समस्याओं का निराकरण।	50.00	0		उत्तराखण्ड उद्यम एकल खिड़की सुगमता और अनुज्ञापन अधिनियम के अन्तर्गत उद्यमों की स्थापना हेतु समस्त औपचारिकतायें वेब पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध कराई	20.00	1–उत्तराखण्ड उद्यम एकल खिड़की सुगमता और अनुज्ञापन अधिनियम का प्रभावी कियान्वयन। 2–समयबद्ध निस्तारण 3–राज्य में निवेश हेतु	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
						जायेंगी।		बेहतर वातावरण	
10.	उद्यमिता विकास संस्थान की स्थापना	संस्थान की स्थापना कर जनपद स्तर पर बेरोजगार नवयुवक एवं नवयुवतियों को उद्यमिता विकास का प्रशिक्षण देते हुये स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना।	0.01	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	बेरोजगार युवाओं/ शिक्षित युवा वर्ग तथा स्वरोजगार की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों में उद्यमिता विकास की भावना विकसित कराकर उद्यम स्थापित कराने का प्रयास किया जायेगा।	0	भावी उद्यमियों को उद्यम स्थापना हेतु समस्त जानकारी के साथ–साथ जोखिम वहन हेतु सक्षम बनाना।	वर्षान्त तक
11.	क्लस्टर विकास योजना	प्रदेश के जनपदों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास कर क्लस्टर के रूप में उद्यमों की स्थापना द्वारा पूंजी निवेश प्रोत्साहन एवं स्वरोजगार के साथ–साथ रोजगार सृजन के अवसर पैदा करना।	100.00	0		प्रदेश के पर्वतीय जनपदों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास द्वारा पूंजी निवेश प्रोत्साहन एवं स्वरोजगार के साथ–साथ रोजगार सृजन के अवसरों में वृद्धि की जायेगी।	0	1–नियोजित औद्योगिकीकरण 2–पर्वतीय क्षेत्रों में उद्यम स्थापना के माध्यम से पूंजी निवेश प्रोत्साहन, रोजगार सृजन एवं पलायन पर रोक। 3–उद्यमिता विकास।	वर्षान्त तक
12.	राज्य के दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों के औद्योगिक विकास हेतु वित्तीय प्रोत्साहन नीति।	पर्वतीय क्षेत्रों में स्थापित उद्यम तथा नये उद्यम स्थापना हेतु प्रोत्साहित कर रोजगार के अवसरों में वृद्धि कर पलायन की रोकथाम।	2500.00	0	**SDG Goal : 8** 8.3e, 8.3f, 8.5c **SDG Goal : 9** 9.2c, 9.3e, 9.3f	नीति के अधीन प्राविधानित वित्तीय प्रोत्साहनों के रूप में पर्वतीय इकाईयों को लाभान्वित किया जायेगा।	1921.78	1–नियोजित औद्योगिकीकरण 2–पर्वतीय क्षेत्रों में उद्यम स्थापना के माध्यम से पूंजी निवेश प्रोत्साहन, रोजगार सृजन एवं पलायन पर रोक। 3–उद्यमिता विकास।	वर्षान्त तक
13.	मुख्य निवेश आयुक्त कार्यालय, नई दिल्ली का अधिष्ठान	केन्द्र सरकार की नीतियों एवं निर्देशों के अनुसार केन्द्र सरकार से समन्वय करते हुये विभागीय योजनाओं की समीक्षा करना।	89.67	0		कार्यालय में कार्मिकों का अधिष्ठान एवं संचालन व्यय।	36.88	केन्द्र सरकार से आवश्यक समन्वय।	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
14.	उत्तराखण्ड माटी कला परिषद को सहायता	प्रदेश में कुम्हारी एवं मिट्टी का कार्य करने वाले शिल्पियों को तकनीकी कौशल, उन्नत उपकरण एवं विपणन आदि के माध्यम से कुटीर उद्यमी के रूप में विकसित कर उन्हें विपणन हेतु बाजार उपलब्ध कराना।	10.00	0		माटी कला शिल्पियों को विद्युत चालित चाक और शिल्पियों को मिट्टी की उपलब्धता हेतु परिचय पत्र वितरण का कार्य।	5.00	1–प्रदेश में कुम्हारी एवं मिट्टी का कार्य करने वाले शिल्पियों को तकनीकी कौशल, उन्नत उपकरण एवं विपणन आदि के माध्यम से कुटीर उद्यमी के रूप में विकसित करना। 2–बाजार आधारित विकास	वर्षान्त तक
15.	**2851–102**–एमएसएमई अवस्थापना विकास निधि	प्रदेश में स्थापित मिनी औद्योगिक आस्थानों में अवस्थापना सुविधाओं यथाः बिजली, पानी, सड़क व नालियों के निर्माण/मरम्मत आदि कर उद्यम स्थापना हेतु उपलब्ध कराकर पूंजी निवेश में वृद्धि, रोजगार सृजन एवं पलायन पर रोक लगाना।	300.00	0	**SDG Goal : 9** 9.4a, 9.4b	5 मिनी औद्योगिक आस्थानों में अवस्थापना विकास द्वारा उद्यमों के स्थापना हेतु भूखण्ड उपलब्ध कराये जायेंगे।	250.00	1–विनिर्माणक गतिविधियों को प्रोत्साहन। 2–उद्यम स्थापना के माध्यम से रिक्त भूखण्ड का सदुपयोग करते हुये पूंजी निवेश, रोजगार सृजन एवं पलायन पर रोक लगाना।	वर्षान्त तक
16.	महिला उद्यमियों के लिये विशेष प्रोत्साहन योजना	नीति के अन्तर्गत प्रदेश में महिला उद्यमिता के विकास हेतु पूंजी निवेश प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन एवं पलायन पर रोक।	50.00	0	**SDG Goal : 8** 8.5c	नीति के अन्तर्गत महिला उद्यमियों को इकाईयों की स्थापना हेतु प्रोत्साहन तथा प्राविधानित वित्तीय प्रोत्साहनों के अन्तर्गत नई इकाईयों को लाभान्वित।	18.33	प्रदेश में महिला उद्यमिता के माध्यम से पूंजी निवेश को प्रोत्साहन, रोजगार सृजन एवं पलायन पर रोक।	वर्षान्त तक
17.	9801–नाबार्ड की आरआईडीएफ योजनान्तर्गत ग्रामीण हाट का निर्माण	प्रदेश के एम.एस.एम.ई उत्पादों व हथकरघा/हस्तशिल्पियों द्वारा उत्पादित उत्पादों को विपणन के अवसर उपलब्ध कराते हुये आय मे वृद्धि।	1000.00	0	**SDG Goal : 8** 8.3e, 8.3f, 8.5c **SDG Goal : 9** 9.2c, 9.3e, 9.3f	प्रदेश के दो पर्वतीय जनपदों, चमोली एवं पिथौरागढ़ तथा दो मैदानी जनपदों देहरादून व ऊधमसिंहनगर में ग्रामीण हाट की स्थापना द्वारा विपणन सुविधा प्रदान करना।	922.25	प्रदेश के एम.एस.एम.ई उत्पादों व हथकरघा बुनकर शिल्पियों को विपणन के अवसर उपलब्ध कराते हुये आय मे वृद्धि।	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
18.	प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सहायता योजना	प्रदेश में समुचित औद्योगिक विकास का वातावरण तैयार कर उद्यम स्थापना कर रोजगार के अवसरों में वृद्धि के साथ–साथ पलायन पर रोक लगाने के उद्देश्य से स्थापित उद्यमों को प्रोत्साहित करने हेतु अनुदान सुविधायें उपलब्ध कराना।	600.00	0	**SDG Goal : 8** 8.3e, 8.3f, 8.5c **SDG Goal : 9** 9.2c, 9.3e, 9.3f	नीति के अन्तर्गत स्थापितउद्यमों को प्रोत्सहित करने हेतु अनुदान सुविधायें उपलब्ध कराई जायेंगी। पुनश्चः स्वरोजगार हेतु प्रदेश के युवाओं को लाभान्वित करते हुये नीति के अधीन प्राविधानित वित्तीय प्रोत्साहन को उपलब्ध कराने के प्रयास किये जायेंगे।	460.00	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाईयों की स्थापना से पूंजी निवेश में वृद्धि के साथ–साथ रोजगार के अवसरों में वृद्धि तथा पलायन पर रोक।	वर्षान्त तक
19.	कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण योजना	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, हथकरघा, हस्तशिल्प एवं खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र में उद्यमरत अथवा सम्भाव्य उद्यमियों को उनकी निष्पादन क्षमता में बृद्धि करना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, हथकरघा, हस्तशिल्प एवं खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी एवं बाजार मॉग के अनुरूप विकसित किये जाने के लिये उद्यमियों के कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण।	50.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	खाद्य प्रसंस्करण, शिल्प तथा अन्य रोजगारपरक क्षेत्रों में उद्यमियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुये कुशल उद्यमी के रूप में विकसित किया जायेगा।	50.00	तकनीकी दक्षता प्रदान करते हुये स्वरोजगार/ रोजगार की उपलब्धता।	वर्षान्त तक
20.	एमएसएमई परियोजना प्रबन्धन इकाई (पीएमयू) की स्थापना	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के उद्यमियों को क्लस्टर विकास, विपणन, कौशल विकास, तकनीकी सहायता, वित्तीय/ऋण प्रबन्धन एवं गुणवत्ता नियंत्रण आदि के लिये मार्गदर्शन/परामर्श हेतु विभागीय स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त परामर्शदाताओं को मानदेय पर नियुक्त कर एमएसएमई परियोजना प्रबन्धन इकाई गठित की गई है।	50.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	बैंकिंग एवं वित्त, निर्यात, विपणन, डिजाईन एवं टैक्सटाईल विशेषज्ञों के माध्यम से राज्य के अनुकूल नीतियों एवं कार्यक्रमों का प्रभावी कियान्वयन।	18.33	प्रदेश के अप्रयुक्त संसाधनों का उचित प्रयोग, निर्मित उत्पाद हेतु विपणन के उचित अवसर, उत्पादों के उत्पादन में उन्नत डिजाइनों का समावेश तथा बैंक लिंकेज हेतु एक ही स्थान पर सुविधा उपलब्ध होने से प्रदेश के औद्योगिक विकास में वृद्धि होगी।	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
21.	स्टार्टअप एण्ड स्टैण्डअप उद्यमिता विकास योजना	भारत सरकार द्वारा जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप अनुमोदित परियोजनाओं में राज्य के युवाओं को टॉपअप/वाईविलिटी गैप फण्डिंग के लिये योजनान्तर्गत नीति में प्रदत्त प्रोत्साहनों के साथ–साथ स्टैण्डअप लोन, टॉपअप, वाईविलिटी गैप फण्डिंग आदि के द्वारा राज्य के युवाओं को अभिनव उद्यमों की स्थापना हेतु प्रोत्साहित करना तथा टैक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेसन केन्द्र की स्थापना।	100.00	0	**SDG Goal : 8** 8.3e, 8.3f, 8.5c **SDG Goal : 9** 9.2c, 9.3e, 9.3f	उद्यमियों को स्टैण्डअप लोन, टॉपअप, वाईविलिटी गैप फण्डिंग, टैक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेसन केन्द्र की स्थापना आदि कार्य किया जायेगा।	0	1–प्रदेश के तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन को प्रदेश में ही निवेश अनुकूल वातावरण प्रदान करना। 2–प्रकिया एवं उत्पाद के स्तर पर नवोनमेषी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।	वर्षान्त तक
22.	औद्योगिक मेले, प्रदर्शनी, गोष्ठी, सेमीनार व प्रचार–प्रसार	प्रदेश में स्थापित उद्यमों तथा हस्तशिल्पियों द्वारा उत्पादित उत्पादों के विपणन हेतु प्रचार–प्रसार तथा बाजार उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना।	300.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, नई दिल्ली, नेशनल हैण्डलूम एक्सपो, स्पेशल हैण्डलूम एक्सपो तथा जनपदों में आयोजित होने वाले धार्मिक व सांस्कृतिक मेलों एवं विभिन्न उद्योग संघों द्वारा आयोजित गोष्ठियों, सेमीनारों में उद्यमियों द्वारा उत्पादित उत्पादों के विपणन हेतु बाजार उपलब्ध कराना।	250.00	1–विपणन प्रोत्साहन 2–योजनाओं/कार्यक्रमों का प्रचार–प्रसार 3–उद्यमिता के वातावरण के सृजन हेतु अभिप्रेरणा का विकास	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
23.	उद्यमियों को प्रोत्साहन हेतु पुरूष्कार योजना	सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा हथकरघा/हस्तशिल्पियों द्वारा उत्पादित उत्पादों में गुणवत्ता वृद्धि तथा उनके शिल्प को प्रोत्साहित करना।	6.00	0	**SDG Goal : 8**	प्रदेश स्तर पर जनपदों के उद्यमियों/शिल्पियों को पुरस्कृत करते हुये उनके श्रेष्ठ उत्पाद की गुणवत्ता के विकास हेतु सम्मानित करते हुये प्रोत्साहित किया जायेगा।	6.00	1–उत्पादों की गुणवत्ता में अभिवृद्धि 2–उत्पाद के साथ–साथ उद्यमी/शिल्पी/बुनकर का प्रचार–प्रसार 3–उद्यमी/शिल्पी/बुनकर की मान्यता	वर्षान्त तक
24.	ईज आफ डूईंग बिजनेस	योजना का उद्देश्य प्रदेश में निवेश के अनुकूल वातावरण सृजन तथा उद्यम स्थापना हेतु प्राप्त की जाने वाली समस्त अनुज्ञाओं/अनापत्तियों/स्वीकृतियों के त्वरित निस्तारण हेतु राज्य सरकार के अधीन समस्त रेखीय विभागों के मध्य औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित बिन्दुओं के अनुरूप कार्यवाही किये जाने हेतु समन्वय करना।	500.00	0	**SDG Goal : 8** 8.3e, 8.3f, 8.5c **SDG Goal : 9** 9.2c, 9.3e, 9.3f	केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, भारत सरकार द्वारा राज्यों में औद्योगिक वातावरण को आसान बनाए जाने हेतु योजनान्तर्गत राज्यों हेतु 372 कार्य विन्दु (Action Points) निर्धारित।	0	निर्धारित 372 कार्य विन्दुओं पर कार्य किया जायेगा।	वर्षान्त तक
		योगः–	**8424.86**	**0**			**6046.98**		
	राज्य सैक्टर (2851–ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 103–हथकरघा)								
25.	उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता।	प्रदेश के हथकरघा, हस्तशिल्पियों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रचार–प्रसार व मार्केटिंग की सुविधा प्रदान करना।	100.00	0	**SDG Goal : 8** 8.3d	कार्यक्रम के अधीन राज्य के शिल्पियों एवं बुनकरों को उन्नत तकनीक एवं डिजाइन समावेश पर दक्ष किया जाना। विभिन्न मेलों एवं प्रदर्शनियों के द्वारा प्रदेश के शिल्पियों एवं बुनकरों को विपणन सहायता उपलब्ध कराई जायेगी।	50.00	1–डिजाइन/उत्पाद विकास 2–शिल्पों का संवर्द्धन 3–क्रेडिट लिंकेज 4–विपणन सहायता 5–स्वरोजगार के अवसर 6–पर्यटन से लिंकेज	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
26.	नन्दा देवी योजना	प्राकृतिक रेशा एवं हथकरघा क्षेत्र पर आधारित उत्पादों के विकास एवं विपणन के साथ–साथ हथकरघा बुनकरों के उद्यमिता विकास एवं उत्कृष्ट प्रशिक्षण की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से ग्राम–मटेना, जनपद–अल्मोड़ा में नन्दा देवी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना।	50.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	परामर्शदात्री सेवाओं हेतु मै0 हंस फाउण्डेशन के साथ प्राकृतिक रेशा एवं हथकरघा उत्पादों के विपणन व उत्पादन हेतु एमओयू।	50.00	प्राकृतिक रेशा एवं हथकरघा क्षेत्र पर आधारित उत्पादों के विकास एवं विपणन के माध्यम से स्वरोजगार एवं पलायन पर रोक।	वर्षान्त तक
27.	खादी संस्थाओं को सहयोग	प्रदेश में कार्यरत खादी संस्थाओं के उन्नयन हेतु विभिन्न प्रकार के तकनीकी डिजाइन, कौशल विकास।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	प्रतिवर्ष 5 संस्थाओं का चयन कर उन्हें कार्य करने हेतु प्रति संस्था अधिकतम रू0 5 लाख, जिसमें क्रमशः कार्यशाला मद में 50 प्रतिशत, डिजाइन विकास में 20 प्रतिशत तथा तकनीकी कौशल हेतु 30 प्रतिशत धनराशि की सहायता।	50.00	1–मॉग अनुरूप खादी वस्त्रों में डिजाइन का समावेश 2–आकर्षक उत्पाद के द्वारा खादी संस्थाओं को प्रतिस्पर्धी बनाना 3–रोजगार के अवसर सृजित करना	वर्षान्त तक
28.	शिल्पियों हेतु पेंशन योजना	राज्य में हस्तशिल्प की प्राचीन धरोहर एवं विभिन्न शिल्पों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	225 शिल्पियों को रू0 400/– प्रतिमाह प्रति शिल्पी सम्मान स्वरूप प्रदान करना।	12.50	हथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के अवसर हेतु लोगों को प्रोत्साहन, परम्परागत धरोहर का संरक्षण एवं उन्नयन।	वर्षान्त तक
29.	समाज के निर्धन कर्मकारों हेतु बुनकर/शिल्पकार विकास योजना	प्रदेश के 10 ब्लॉकों के शिल्पियों को, जिनमें महिलायें भी शामिल हैं, को सामान्य सुविधा केन्द्र की स्थापना, डिजाइन विकास, बैंक लिंकेज, प्रचार–प्रसार आदि के माध्यम से स्वावलम्बी बनाना।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	–	0	–	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
30.	उत्तराखण्ड राज्य शिल्प रत्न पुरूष्कार	प्रदेश के परम्परागत शिल्प कला के संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन हेतु पारम्परिक कला, संस्कृति की परम्परा को अक्षुण्य बनाये रखने एवं शिल्पियों की कल्पनाशील, योग्यता तथा कारीगरी को प्रोत्साहित करने एवं शिल्प क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले शिल्पियों को समुचित सम्मान दिये जाने के उद्देश्य से विशिष्ट शिल्पियों को चयनित कर पुरस्कार राशि के रूप में एक लाख रूपये धनराशि, प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जाते हैं।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	प्रदेश के विभिन्न जनपदों से विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ शिल्पियों का चयन करते हुये पुरस्कार राशि के रूप में एक लाख रूपये धनराशि, प्रतीक चिन्ह, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदान किये जायेंगे।	20.00	राज्य की परम्परागत कला एवं संस्कृति को संरक्षित करते हुये उसके संवर्द्धन हेतु नीतियों एवं कार्यक्रमों का क्रियान्वयन।	वर्षान्त तक
31.	जयानन्द भारती दस्तकार प्रशिक्षण योजना	प्रदेश के चयनित दस्तकारों को तकनीकी रूप से दक्ष करना।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	–	–	–	वर्षान्त तक
32.	हथकरघा कताई–बुनाई महिला कमकारों को सहायता	हथकरघा क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाओं को करघे उपलब्ध करवाकर स्वरोजगार की ओर प्रेरित करते हुये उनकी वाणिज्यिक एवं आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	–	10.00	–	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
		योगः–	210.00	0			342.50		
	राज्य सैक्टर (2851–ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 105–खादी ग्रामोद्योग)								
33.	खादी तथा ग्रामोद्योग परिषद को सहायता	कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग परियोजनाओं का प्रचार–प्रसार कर प्रदेश में उत्पादित खादी वस्तुओं के विपणन प्रोत्साहन व प्रशिक्षण।	0	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	25 कुटीर एवं ग्रामीण उद्योगों की योजनाओं का प्रचार–प्रसार, खादी एवं ग्रामोद्योग की 25 प्रदर्शनियों में प्रदेश में उत्पादित खादी वस्तुओं का विपणन व प्रोत्साहन तथा 8 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 150 लोगों में कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जायेगा।	100.00	1–खादी एवं ग्रामोद्योग द्वारा उत्पादित वस्त्रों के प्रति लोगों को आकर्षित करना 2–क्रेडिट लिंकेज 3–स्वरोजगार	वर्षान्त तक
34.	खादी तथा ग्रामोद्योग परिषद को सहायता (वेतन भत्ते आदि के लिये सहायक अनुदान)	खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के कार्मिकों के वेतन भत्ते एवं खादी व्यय हेतु।	900.00	0		कार्मिकों के वेतन भत्ते एवं कार्यालय संचालन।	820.00	कार्मिकों के वेतन भत्ते एवं कार्यालय संचालन।	वर्षान्त तक
35.	कताई–बुनाई बुनकरों को आर्थिक सहायता	प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को दक्ष बनाते हुये स्वरोजगार हेतु उन्नत चर्खे उपलब्ध कराना।	0.01	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को दक्ष बनाते हुये स्वरोजगार हेतु उन्नत चर्खे उपलब्ध करायें जायेंगे।	0	1–आकर्षक ऊनी वस्त्र का निर्माण 2–महिलाओं की आय में बृद्धि 3–क्रेडिट लिंकेज 4–स्वरोजगार	वर्षान्त तक
36.	खादी वस्त्रों की बिक्री पर छूट	खादी संस्थाओं द्वारा उत्पादित उत्पादों का अधिकाधिक उपयोग करने हेतु खादी वस्त्रों की बिक्री पर छूट प्रदान करना।	140.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	60 संस्थाओं के प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित 200 बिक्री केन्द्रों में हुई बिक्री के सापेक्ष 10 प्रतिशत छूट की प्रतिपूर्ति के रूप में व्यय किया जायेगा।	150.00	1–खादी वस्त्रोद्योग को बढ़ावा 2–खादी क्षेत्र में रोजगार सृजन 3–क्रेडिट लिंकेज 4–विपणन प्रोत्साहन	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
37.	रेशा खरीद हेतु अनुदान	प्रदेश में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के अधीन स्थापित क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा उत्पादों के उत्पादन हेतु रेशा क्रय कर उपलब्ध कराया जाना।	0.01	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	जसपुर, अल्मोड़ा, चम्बा तथा श्रीनगर में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से प्राकृतिक रेशा क्रय करते हुये इसमें मूल्यवर्द्धन कर नवीन उत्पाद हेतु विभिन्न संस्थाओं को उपलब्ध कराये जायेंगे।	40.00	1–प्राकृतिक रेशों का मूल्यवर्द्धन 2–अभिनव उत्पाद 3–स्वरोजगार	वर्षान्त तक
	योग(105):–		**1040.02**	**0**			**1110.00**		
	भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, देहरादून								
38.	**2853–अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग, 001–निदेशन तथा प्रशासन** 03– खनिज प्रशासन का अधिष्ठान	प्रदेश एवं जनपद स्तर पर कार्यरत अधिकारियों एवं कार्मिकों के वेतन तथा कार्यालय अधिष्ठान एवं संचालन व्यय।	1067.91	0		अधिष्ठान के मुख्यालय तथा जिलास्तर पर स्थापित कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों का अधिष्ठान संचालन पर व्यय।	659.59	अधिष्ठान के मुख्यालय तथा जिलास्तर पर स्थापित कार्यालयों में कार्यरत कार्मिकों का अधिष्ठान संचालन पर व्यय	वर्षान्त तक
39.	**04–राज्य खनिज विकास परिषद**	परिषद के संचालन में व्यय कार्य हेतु।	25.00	0		परिषद के संचालन में व्यय कार्य हेतु।	8.73	परिषद के संचालन में व्यय कार्य हेतु।	वर्षान्त तक
40.	**102–खनिज खोज** 03–पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन व प्रबन्ध योजना	नये उपखनिज क्षेत्रों में ई0आई0ए0 कराया जाना तथा आवंटित खनन क्षेत्रों में मॉनिटरिंग कार्य।	115.00	0		नये उपखनिज क्षेत्रों में ई0आई0ए0 कराया जाना तथा आवंटित खनन क्षेत्रों में मॉनिटरिंग कार्य।	150.19	नये उपखनिज क्षेत्रों में ई0आई0ए0 कराया जाना तथा आवंटित खनन क्षेत्रों में मॉनिटरिंग कार्य।	वर्षान्त तक
41.	**102–खनिज खोज** 04–खनन सर्विलांश	खनन क्षेत्रों में अवैध खनन/परिवहन की रोकथाम करने तथा अपेक्षित राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति।	135.16	0		खनन क्षेत्रों में अवैध खनन/परिवहन की रोकथाम करने तथा अपेक्षित राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति।	30.17	खनन क्षेत्रों में अवैध खनन/परिवहन की रोकथाम करने तथा अपेक्षित राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति।	वर्षान्त तक
		योगः–	**1343.07**	**0**			**848.68**		वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
42.	**4058**–लेखन सामग्री तथा मुद्रण पर पूंजीगत परिव्यय 26–मशीनों की साज–सज्जा	प्रेस की मशीनों की साज–सज्जा हेतु	0	150.00		प्रेस की मशीनों की साज–सज्जा हेतु।	21.18	प्रेस की मशीनों की साज–सज्जा हेतु	वर्षान्त तक
43.	**4851–102**–सेन्ट्रल इन्सटीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी (एन0पी0बी0सहित)	प्रदेश तथा अन्य आस–पास के क्षेत्रों में स्थापित तथा नये प्लास्टिक उद्योगों में प्रोसेसिंग/CAD/CAM परीक्षण, निरीक्षण की सुविधा हेतु प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना।	0	1000.00	**SDG Goal : 8** 8.6d	उत्तराखण्ड तथा आस–पास के क्षेत्रों के बेरोजगारों/रोजगार में लगे हुए युवाओं को रोजगारपरक कौशल विकास प्रशिक्षण की सुविधा देहरादून में ही उपलब्ध हो सके। प्रस्तावित यह केन्द्र प्रतिवर्ष 1500 युवाओं को प्लास्टिक प्रोसेसिंग टैक्नोलॉजी, प्लास्टिक रिसाइक्लिंग, बेसिक मशीनिंग, प्लास्टि प्रोडक्ट एण्ड मोल्ड डिजाइन, मोल्ड मैन्यूफैक्चरिंग, कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड नेटवर्किंग, इलैक्ट्रिकल मेन्टिनेन्स, एडवांश मशीन मेन्टिनेन्स एण्ड इण्डस्ट्रियल ऑटोमेशन, पी.एल.सी., हाइड्रोलिक्स, पैन्यूमेडिक्स, वैल्डिंग एण्ड फैब्रीकेशन टैक्नोलॉजी आदि में, विशेष रूप से डिजाइन कोर्सेज के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करेगा।	0	–	वर्षान्त तक
44.	**4851–103**–हरि प्रसाद टम्टा पारम्परिक शिल्प उन्नयन संस्थान	परम्परागत शिल्पों के सरंक्षण, संवर्द्धन, प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण के साथ–साथ शोध आदि कार्यों हेतु संस्थान की स्थापना।	0	50.00	**SDG Goal : 8** 8.6d	संस्थान की स्थापना द्वारा राज्य के परम्परागत शिल्पों के सरंक्षण, संवर्द्धन, प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण के साथ–साथ शोध आदि कार्य।	150.00	शिल्पियों को कौशल अभिवृद्धि, डिजाईन विकास तथा शिल्पियों का व्यवसायिक उत्पादन द्वारा आय में वृद्धि के साथ–साथ उनके शिल्प की पहचान प्रदेश से बाहर बनाने हेतु।	वर्षान्त तक
	योग(अनुदान संख्या–23)		**15585.73**	**1200.00**			**9944.24**		

नई मॉग
(वर्ष 2018–19)

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1.	**2851–102–41**–अन्तर्राष्ट्रीय विनिवेश मेला	राज्य में विकास एवं रोजगार के अवसर सृजित किये जाने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड राज्य में उद्यमियों को आकर्षित करने हेतु निवेशक सम्मेलन का आयोजन।	2500.00	0		अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेशक सम्मेलन का आयोजन।	0	राज्य में विकास एवं रोजगार के अवसर सृजित करना।	वर्षान्त तक
2.	**2851–102–42**–सेवा क्षेत्र की इकाईयों को प्रोत्साहन	राज्य में पलायन को रोकने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित किये जाने के उद्देश्य से राज्य में 15 स्थानों पर पी0पी0पी0 मोड पर सिलाई प्रशिक्षण/ उत्पादन केन्द्र की स्थापना।	200.00	0	**SDG Goal : 8**	राज्य में 15 स्थानों पर पी0पी0पी0 मोड पर सिलाई प्रशिक्षण/उत्पादन केन्द्र की स्थापना।	0	राज्य में पलायन को रोकना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन।	वर्षान्त तक
3.	**4851–102–06**–नेशनल इन्सटीट्यूट आफ टैक्नोलॉजी की स्थापना(NIFT)	उत्तराखण्ड तथा आस–पास के क्षेत्रों के बेरोजगारों/रोजगार में लगे हुए युवाओं को रोजगारपरक कौशल विकास	0	0.01	**SDG Goal : 8**	बेरोजगारों/रोजगार में लगे हुए 600 युवाओं को रोजगारपरक कौशल विकास प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान किया जायेगा।	0	1–विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण, विशेष रूप से फैशन टैक्नोलॉजी में प्रशिक्षण 2–प्रतिवर्ष 600 युवाओं को रोजगार	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
		प्रशिक्षण की सुविधा देहरादून में ही उपलब्ध हो सके। प्रस्तावित यह केन्द्र प्रतिवर्ष 600 युवाओं को विभिन्न विषयों में, विशेष रूप से फैशन टैक्नोलॉजी कोर्सेज के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करेगा।						हेतु प्रशिक्षित करना	
4.	**4851–102–11**–ग्रोथ सेन्टर की स्थापना	प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों, विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में उद्यमिता प्रोत्साहन एवं पलायन को रोकने के साथ–साथ रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने हेतु प्रदेश के जनपदों में ग्रोथ सेन्टर की स्थापना।	0	1500.00	**SDG Goal : 8**	प्रदेश में अच्छी गुणवत्ता तथा प्रमाणित उत्पादों की पहचान स्थापित कर कृषि, बागवानी या गैर कृषि उत्पाद अथवा आर्थिक गतिविधियों वाले भौगोलिक क्षेत्र के रूप में पहचान करते हुये तेजी से आर्थिक विकास को गति प्रदान की जायेगी। योजनान्तर्गत सभी तरह के खाद्य उत्पाद, बेमौसमी सब्जियां, मसाले, जड़ी–बूटी, औषधीय पौंध, शहद उत्पाद, पुष्प, प्राकृतिक रेशे, ऊन, रेशम, कण्डाली, भीमल आदि को प्रोत्साहित किया जायेगा।	0	1–जनपदों में ग्रोथ सेन्टर की स्थापना 2–उद्यमिता प्रोत्साहन 3–पलायन पर रोक 4–रोजगार के अवसरों में वृद्धि 5–खाद्य उत्पाद, बेमौसमी सब्जियां, मसाले, जड़ी–बूटी, औषधीय पौंध, शहद उत्पाद, पुष्प, प्राकृतिक रेशे, ऊन, रेशम, कण्डाली, भीमल आदि को प्रोत्साहन	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
5.	**2851–103–17**–राजकीय डिजाईन केन्द्र काशीपुर का सुधारीकरण एवं एपरेल प्रशिक्षण	राजकीय डिजाईन केन्द्र काशीपुर का उन्नयन करते हुए प्रधानमंत्री कौशल विकास केन्द्र के रूप में स्थापित किये जाने हेतु सुधारीकरण	100.00	0	**SDG Goal : 8**	उत्तराखण्ड के युवाओं को Appreal, Embrodiary एवं निटवियर के ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान कर केन्द्र की उपयोगिता बढ़ाने तथा राज्य सरकार द्वारा काशीपुर एवं जसपुर क्षेत्र को टेस्सटाईल उद्यम के लिये विकसित किया जायेगा।		1–राजकीय डिजाईन केन्द्र काशीपुर का उन्नयन/ सुधारीकरण 2–युवाओं को Appreal, Embrodiary एवं निटवियर के ट्रेड में प्रशिक्षण	वर्षान्त तक
6.	2851–00–102–97–01–एमएसएमई में बाह्य सहायतित परियोजनायें, 42–अन्य व्यय	बाह्य सहायतित	1000.00	0		बाह्य सहायतित		बाह्य सहायतित	वर्षान्त तक
7.	4851–00–102–97–01–एमएसएमई में बाह्य सहायतित परियोजनायें, 24–वृहत निर्माण	बाह्य सहायतित	0	2000.00		बाह्य सहायतित		बाह्य सहायतित	वर्षान्त तक
8.	2853–02–001–02–आवेदन शुल्क की वापसी, 42–अन्य व्यय		200.00	0					
9.	2853–02–001–03–खनन प्रशासन का अधिष्ठान, 14–कार्यालय प्रयोगार्थ स्टाफ कारों/मोटर गाड़ियों का क्रय		30.00	0					
	अनुदान संख्या–31								
10.	**2851–103–01–05**–थारू, बोक्सा एवं अन्य जनजातियों की महिलाओं हेतु विशेष प्रोत्साहन योजना	हथकरघा एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में कार्य कर रही थारू, बोक्सा एवं अन्य जनजातियों की महिलाओं हेतु विशेष प्रोत्साहन दिये जाने शिल्प की विभिन्न विधाओं में कौशल प्रदान	50.00	0	**SDG Goal : 8**	महिला शिल्पियों की उत्पादकता एवं उनकी गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु उन्नत डिजाइन एवं गुणवत्ता सुधार का प्रशिक्षण प्रदान करते हुये उनकी जीविका एवं आय में अभिवृद्धि को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ महिला शिल्पियों को मास्टर काफ्टमैन के रूप में प्रशिक्षित कर शिल्पों के उन्नयन में	0	1–महिला शिल्पियों को विभिन्न विधाओं में कौशल प्रशिक्षण 2–उन्नत डिजाइन एवं गुणवत्ता सुधार 3– महिला शिल्पियों को मास्टर क्राफ्टमैन के रूप में प्रशिक्षित करना	वर्षान्त तक

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
		करना/कौशल को उन्नत करते हुये महिला शिल्पियों की उत्पादकता एवं उनकी गुणवत्ता में सुधार लाने के दृष्टिगत उन्नत डिजाइन एवं गुणवत्ता सुधार का प्रशिक्षण प्रदान करना तथा उनके लिये जीविका एवं आय सृजन में अभिवृद्धि को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ महिला शिल्पियों को मास्टर क्राफ्टमैन के रूप में प्रशिक्षित कर शिल्पों के उन्नयन में रोजगार से जोड़ा जाना।				रोजगार से जोड़ा जायेगा।		4–रोजगार सृजन	
		योगः–	**4080.00**	**3500.01**					

अनुदान संख्या–30
(स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान)

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1.	उत्तरांचल हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता	प्रदेश के अनुसूचित जाति/अनु0 जनजाति के हथकरघा, हस्तशिल्पियों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रचार–प्रसार व मार्केटिंग की सुविधा प्रदान करना।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	प्रशिक्षण कार्यक्रम के अधीन शिल्पियों एवं बुनकरों को उन्नत तकनीक एवं डिजाइन समावेश पर दक्ष कराने के साथ–साथ विभिन्न मेलों एवं प्रदर्शनियों के द्वारा विपणन सहायता उपलब्ध कराई जायेगी।	0.20	1–डिजाइन/उत्पाद विकास 2–शिल्पों का संवर्द्धन 3–क्रेडिट लिंकेज 4–विपणन सहायता 5–स्वरोजगार के अवसर 6–पर्यटन से लिंकेज	वर्षान्त तक
		योगः–	**10.00**	**0**			**0.20**		

अनुदान संख्या–31
(ट्राईबल सब प्लान)

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले (लाख रू0 में)		एस0डी0जी0 Goals/Indicators	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट	1–4–2017 तक की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
1.	उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को सहायता	प्रदेश के जनजातियों के हथकरघा, हस्तशिल्पियों के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रचार–प्रसार व मार्केटिंग की सुविधा प्रदान करना।	10.00	0	**SDG Goal : 8** 8.6d	प्रशिक्षण कार्यक्रम के अधीन शिल्पियों एवं बुनकरों को उन्नत तकनीक एवं डिजाइन समावेश पर दक्ष कराते हुये विभिन्न मेलों एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से विपणन सहायता उपलब्ध कराई जायेगी।	5.10	1–डिजाइन/उत्पाद विकास 2–शिल्पों का संवर्द्धन 3–क्रेडिट लिंकेज 4–विपणन सहायता 5–स्वरोजगार के अवसर 6–पर्यटन से लिंकेज	वर्षान्त तक
2.	105 खादी ग्रामोद्योग 03 व्यक्तिगत उद्यमियों को ब्याज उपादान 20 सहायक अनुदान/ अशंदान/ राजसहायता	व्यक्तिगत उद्यमियों को राज्य के अन्दर स्वरोजगार स्थापित किये जाने हेतु बैंक के माध्यम से वित्त पोषण।	12.00	0		व्यक्तिगत उद्यमियों को राज्य के अन्दर स्वरोजगार स्थापित किये जाने हेतु बैंक के माध्यम से वित्त पोषित किया जायेगा।		1–रू0 5 लाख तक बैंक के माध्यम से वित्त पोषण 2–परियोजना लागत का 4 प्रतिशत ब्याज की देयता 3–परियोजना लागत का अधिकतम 10 प्रतिशत ब्याज का लाभ	वर्षान्त तक
3.	06 ऊन बैंक की स्थापना 20 सहायक अनुदान/ अशंदान/राजसहायता	प्राथमिकता के आधार पर स्थानीय भेड़पालकों से ऊन क्रय कर किया जाना।	10.00	0		स्थानीय भेड़पालकों से प्राथमिकता के आधार पर ऊन क्रय कर विभागीय केन्द्रों में उच्च गुणवत्ता की ऊन उपलब्ध कराई जायेगी।		1–स्थानीय भेड़ पालकों से ऊन क्रय 2–विभागीय केन्द्रों में उच्च गुणवत्ता का ऊन उपलब्ध कराना 3–ऊन का न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना 4–ऊन क्रय केन्द्र की स्थापना	वर्षान्त तक
		योगः–	**32.00**	**0**			**5.10**		

आउटकम बजट का संक्षेप
(वर्ष 2018–19)

अनुदान संख्या–23
कुल राजस्व – रू0 15585.73 लाख
कुल पूंजीगत – रू0 1200.00 लाख

अनुदान संख्या–30
कुल राजस्व – रू0 10.00 लाख

अनुदान संख्या–31
कुल राजस्व – रू0 32.00 लाख

नई मांग
कुल राजस्व – रू0 4080.00 लाख
कुल पूंजीगत – रू0 3500.01 लाख

कुल प्राविधान(राजस्व + पूंजीगत) – रू0 24407.74 लाख

वर्ष	बीस सूत्रीय कार्यक्रम में लक्षित उद्योग संख्या	कुल पूंजी निवेश (रू. करोड़ में)	कुल रोजगार	राजस्व प्राप्ति (रू. करोड़ में)	अन्य अपरोक्ष आय
2018–19	3550	1200	22000	550	उद्योगों से राजस्व में अपरोक्ष वृद्धि।